# Report

## Visit of Rashtrapati Niwas Chharabra

A visit of Political Science Students to Rashtrapati Niwas Chharabra was organised on 26 December 2023 by Dr Devender Sharma Assistant Professor, Political Science. A letter from the Directorate of Higher Education Shimla was received for organizing the visit. A group of 50 students was taken for the visit. It was very informative and enriching. The guide staff of Rashtrapati Niwas educated the students about the history of Rashtrapati Niwas which is standing proudly as a 174-year-old heritage icon, sprawls over 115 acres as the official summer retreat for the Hon'ble President of India. This enchanting estate, set amidst the serene landscape of Himachal Pradesh, comprises a grand main building, vibrant orchards, expansive lawns, and tranquil nature trails. In a landmark move in April 2023, Rashtrapati Niwas opened its doors to the public for the first time, offering a unique glimpse into its historical and cultural significance. In 1965, initiated by President Sarvepalli Radhakrishnan, the Rashtrapati Niwas was designated as the presidential retreat, transitioning from its previous counterpart, the Viceregal Lodge, which subsequently became the home to the Indian Institute of Advanced Study (IIAS), another separate attraction in Shimla.

After visiting Rashtrapati niwas students were taken to Kalyani helipad which is at the Rashtrapati Niwas premises is one of the most breathtaking attractions at Rashtrapati Niwas Mashobra. The helipad is placed at the highest point in the entire region.

From the helipad, one can experience breathtaking sunsets and a 360-degree view of Shimla, Kufri, Chail, and Jakhu Hill amidst rolling hills and lush greenery. It was one day educational tour for the enrichment of knowledge of the students.

Convener

Principal
Principal
Govt. Degree College
Chail-Koti, Shimla-12

Shimla Kesari

Jun 03, 2024 (IST)

# पंजाब केसरी

# शोधार्थियों के ऑनलाइन सर्वेक्षण में हिमाचल में कांग्रेस 3 और भाजपा 1 सीट पर काबिज

**शोधकर्त्ता डा. बलदेव सिंह नेगी और डा. देवेंद्र शर्मा ने किया ऑनलाइन सर्वे, कुल 1082 लोगों से 19 सवाल पूछे**

शिमला, 2 जून (अभिषेक): लोकसभा चुनाव 2024 पर हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय (एच.पी.यू.) के मल्टी डिसिप्लिनरी स्टडीज विभाग के फैकल्टी सदस्य डा. बलदेव सिंह नेगी और राजकीय डिग्री कालेज चायल कोटी, शिमला के असिस्टेंट प्रोफेसर डा. देवेंद्र शर्मा ने सर्वेक्षण किया है। यह सर्वेक्षण ऑनलाइन किया गया है। इसके माध्यम से दोनों शोधकर्त्ताओं ने हिमाचल प्रदेश के सभी संसदीय व विधानसभा क्षेत्रों से कुल 1082 लोगों से 19 सवाल पूछे तथा मतदाताओं से विभिन्न पहलुओं पर उनकी स्वतंत्र राय जानी गई। इसमें राजनीतिक दलों द्वारा जारी घोषणापत्र, नेताओं व स्टार प्रचारकों के प्रभाव, इंडी गठबंधन अभियान के प्रभाव, राजनीतिक उथल पुथल और अंत में पार्टियों की जीत की स्थिति जैसे मुद्दों पर युवाओं, महिलाओं और कर्मचारियों की राय के आधार पर मतदान व्यवहार को समझने का प्रयास किया गया।

डा. बलदेव सिंह

डा. देवेंद्र शर्मा

सर्वेक्षण में पूछा गया कि संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में किस पार्टी के उम्मीदवार की जीतने की उम्मीद है। 62 प्रतिशत ने कांग्रेस उम्मीदवार और 35 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने भाजपा उम्मीदवार कहा और निर्वाचन क्षेत्रवार प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण करने के बाद उत्तरदाताओं के आकलन के मुताबिक शिमला, मंडी और कांगड़ा कांग्रेस के पक्ष में हैं और हमीरपुर भाजपा द्वारा जीतने जा रहा है। जब सवाल पूछा गया कि क्या यह चुनाव हिमाचल के आधार पर हो रहे हैं या मोदी लहर ने राज्य के स्थानीय मुद्दे नजरअंदाज कर दिए गए हैं।

इस सवाल के जवाब में 61 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने मोदी लहर को खारिज कर दिया और कहा कि लोग स्थानीय मुद्दों पर वोट कर रहे हैं। हालांकि, 24.6 प्रतिशत उत्तरदाताओं का मानना है कि मोदी लहर जमीन पर सभी स्थानीय मुद्दों को कमजोर को धुंधला कर दिया है और 4.1 प्रतिशत ने अन्य मुद्दों या तटस्थता को चुना। पूछा गया कि क्या यह चुनाव फिर से राष्ट्रवाद और मोदी लहर की लहरों पर हावी होने जा रहा है। 52.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने इस लहर को खारिज कर दिया और कहा कि यह चुनाव सामान्य है। 32.7 प्रतिशत ने कहा कि स्थानीय मुद्दे और मोदी की लोकप्रियता दोनों मतदाताओं को प्रभावित करेंगे।

## दल-बदल के कारण मची घमासान को 48.1 प्रतिशत ने कांग्रेस के आंतरिक संघर्ष को जिम्मेदार माना

सर्वेक्षण में कांग्रेस पार्टी में दल-बदल के कारण मची घमासान से जुड़े एक सवाल था कि आपको क्या लगता है कि [illegible] के लिए कौन जिम्मेदार था? [illegible] इस सवाल पर 48.1 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने इस घटना के लिए कांग्रेस पार्टी की आंतरिक [illegible] को जिम्मेदार माना, जबकि 41.2 प्रतिशत ने भाजपा के [illegible] को जिम्मेदार ठहराया।

[illegible] 36.7 प्रतिशत ने [illegible] और 26 प्रतिशत ने [illegible]।

## 53.79 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बेरोजगारी के मुद्दे पर दिया जोर

ऑनलाइन सर्वेक्षण के दौरान सवाल पूछा गया कि लोकसभा चुनाव के दौरान हिमाचल प्रदेश में कौन सा मुद्दा हावी रहा। इस पर सवाल [illegible] 53.79 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने बेरोजगारी के मुद्दे पर जोर दिया, [illegible]।

बेरोजगारी के बाद, [illegible] 16.30 प्रतिशत [illegible]। [illegible] 63 प्रतिशत [illegible]।

## अग्निपथ योजना भी प्रमुख मुद्दा रहा

अग्निपथ योजना के सवाल पर 58.4 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने [illegible] 40.85 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में [illegible] 33.88 प्रतिशत [illegible] राम मंदिर [illegible]। 25.32 प्रतिशत [illegible]

[illegible]

## प्राकृतिक आपदा पर यह रुख

हिमाचल में आई प्राकृतिक आपदा [illegible] 49.2 प्रतिशत उत्तरदाताओं [illegible] 27 प्रतिशत ने कहा कि इस मुद्दे पर [illegible]।

## 30.5 प्रतिशत ने कांग्रेस व 14 प्रतिशत ने मोदी की गारंटी पर विश्वास दिखाया

[illegible] सवाल पर कि उत्तरदाता किस राजनीतिक दल के घोषणापत्र पर भरोसा करते हैं, इस पर 37.3 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि कोई भी राजनीतिक दल अपने घोषणापत्र में [illegible] पूरा नहीं करता है। 30.5 प्रतिशत ने कांग्रेस पार्टी की गारंटी पर विश्वास दिखाया और 14 प्रतिशत ने मोदी की गारंटी पर विश्वास दिखाया।

The students of Political Science department were involved in the survey.

[signature]